सेमीकंडक्टर चिप्स में आगे बढ़ता भारत

हाल ही केंद्र सरकार ने चार नई चिप परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसके साथ ही भारत के सेमीकंडक्टर व निर्माण उद्योग का विस्तार हो गया है। इसके लिए कई वित्तीय प्रोत्साहन भी दिए गए हैं।

कुछ बिंदु -

- भारत उन देशों में से एक है, जो चिप विनिर्माण को स्थानीय स्तर पर लाने का प्रयास कर रहे हैं।
- इस प्रयास में अनेक देश प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कर सहायक हो रहे हैं।
- सेमीकंडक्टर की मांग बहुत से उद्योगों में है। इसके लिए भूमि और निवेशक दोनों ही उपलब्ध हैं। फिलहाल इसके प्लांट पंजाब, ओडिशा और आंध्रप्रदेश में खुलना तय हुआ है।
- सेमीकंडक्टर विनिर्माण के लिए विशिष्ट गैसों और रसायनों के अलावा निर्बाध बिजली और पानी की जरूरत होती है। भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) का उद्देश्य इन प्रमुख इनपुट पर समर्थन देना है।

- चिप डिजाइन के मामले में भारत काफी आगे है। दुनिया के अग्रणी चिप निर्माताओं ने भारत में अपनी अनुसंधान इकाइयां खोली हुई हैं। सच्चाई यह है कि ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रानिक उद्योगों में चिप की बढ़ती मांग को देखते हुए भारत सेमीकंडक्टर में नवाचार के लिए एक बाजार प्रदान करता है।

अतः भारत का नीतिगत प्रयास सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को लचीला बनाने के वैश्विक प्रयास के साथ मेल खाता है।

'द इकॉनॉमिक टाइम्स' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 14 अगस्त, 2025